E-ISSN: 2664-603X
P-ISSN: 2664-6021
IJPSG 2025; 7(1): 71-76
www.journalofpoliticalscience.com
Received: 01-12-2024
Accepted: 08-01-2025

मोहन लाल दायमा
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, बून्दी, राजस्थान, भारत

डॉ. बी.एल. सैनी
प्रोफेसर, शोध पर्यवेक्षक, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान, भारत

Corresponding Author:
मोहन लाल दायमा
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, बून्दी, राजस्थान, भारत

राजस्थान में महिला विधायकों की पृष्टभूमिः 14वीं विधानसभा

मोहन लाल दायमा, बी.एल. सैनी

DOI: https://doi.org/10.33545/26646021.2025.v7.i1b.428

सारांश
भारत देश का राजस्थान राज्य महिला साक्षरता में सबसे पीछे से दूसरे स्थान पर है इसको ध्यान में रखते हुए राजस्थान की 14वीं विधानसभा में महिलाओं की भूमिका (पृष्टभूमि) का अध्ययन की अवश्यक्ता अत्यन्त आवश्यक हो जाता है। यह माना जाता है की कोई महिला जिस परिवार में जन्म लेती है उस परिवार और जिस परिवार में विवाह होता है उस अर्थात अकेले दो परिवार के विकास में इनके योगदान की मुख्य भूमिका होती है। लेकिन अगर यही महिलाएँ देश की छोटी–बड़ी स्तर की राजनीति में भी अपना योगदान देना सुरूकर दे तो राज्य के साथ देश का विकास तेती होना सम्भव होगा। राजस्थान की 14वीं विधानसभा में महिला विधायकों को केंद्रित यह अध्ययन जिसमें महिला विधायकों की दलीय स्थिति, इनकी कुल संख्या और शैक्षणिक, पारिवारिक, आर्थिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के उद्देश्य से महिला विधायकों की आयु, शैक्षणिक योग्यता, वैवाहिक स्थिति, आवासीय परिवेश, व्यवसाय, इनके द्वारा किये गये सामाजिक कार्य तथा इनकी स्वयं की पूर्व में राजनीति से संबद्धता से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की गई तथा व्यवस्थित कर इनके आधार पर महिला विधायकों की पारिवारिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि के निर्धारण का प्रयास किया गया है। प्रथम विधानसभा की दो महिला विधायकों से लेकर 14वीं विधानसभा की 29 विधायकों तक, महिलाओं की संख्या में हुई उत्तरोतर वृद्धि राजनीति के क्षेत्र में उनकी जागृति एवं सक्रियता का प्रतीक है। आज वे पंच के पद से लेकर मुख्यमंत्री जैसे महत्त्वपूर्ण पद के उत्तरदायित्व को भली–भांति निभा हुए राज्य व राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रही हैं।

कुटशब्दः विधानसभा, महिला, विधायक, अध्ययन, शैक्षणिक योग्यता, राष्ट्र, विकास

प्रस्तावना
राजस्थान में 14वीं विधानसभा के लिए 1 दिसम्बर 2013 को चुनाव सम्पन्न हुए। इनमें राजस्थान की 200 में से 199 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव सम्पन्न हुए। चुनावों के नतीजे 8 दिसम्बर 2013 को घोषित किए गए। इनमें कुल मतदाताओं की संख्या 4,07,14,984 थी। 'चूरू' विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी की मृत्यु के कारण चुनाव को स्थगित किया गया था, जहाँ पर मतदान 13 दिसम्बर 2013 को सम्पन्न हुआ। 14वीं विधानसभा के लिए हुए आम चुनावों में 28 महिलाएँ निर्वाचित हुई। मई, 2014 में एक महिला विधायक (श्रीमती संतोष अहलावत) के लोकसभा की सांसद के रूप में चुने जाने पर उनके विधायक पद से त्याग पत्र देने के कारण महिला विधायकों की संख्या 27 रह गई परतु अप्रैल 2017 में हुए उपचुनावों में धौलपुर विधानसभा सीट से श्रीमती शोभारानी कुशवाह के निर्वाचित होने से यह संख्या पुनः 28 हो गई। अतः 14वीं विधानसभा में कुल 29 महिला सदस्यों ने सदन में प्रतिनिधित्व किया। इनमें श्रीमती वसुंधरा राजे राज्य की मुख्यमंत्री बनीं और प्रदेश का नेतृत्व किया।

महिला विधायकों की दलीय स्थिति का विश्लेषण
महिला विधायकों की दलीय स्थिति के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि इन 29 महिला विधायकों में से मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सहित 23 महिला विधायक भाजपा से रहीं। दो महिला विधायक श्रीमती कामिनी जिंदल और श्रीमती सोना देवी नेशनल यूनियनिस्ट जमीदारा पार्टी से रहीं। श्रीमती गोलमा देवी ने नेशनल पीपुल्स पार्टी से महुआ (दौसा) और राजगढ़–लक्ष्मणगढ़ सीटों से चुनाव लडा परंतु केवल राजगढ़–लक्ष्मणगढ़ सीट पर ही विजयी रहीं। श्रीमती गीता वर्मा नेशनल पीपुल्स पार्टी से सिकराय (दौसा) से विजयी रहीं।
महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष रहीं श्रीमती शकुंतला रावत, कांग्रेस पार्टी की एक मात्र महिला विधायक रहीं। श्रीमती शंकुतला रावत ने भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. रोहिताष शर्मा को पराजित कर बानसूर विधानसभा क्षेत्र (अलवर) से अपनी जीत दर्ज कराई। एक मात्र निर्दलीय महिला विधायक श्रीमती अंजूदेवी धानका, बस्सी (जयपुर) से निर्वाचित हुई।

सारणी 1: 14वीं राजस्थान विधानसभा की दलीय स्थिति

क्र. सं.	राजनीतिक दल का नाम	प्राप्त सीटें	महिला विधायकों की प्राप्त सीटें
1	भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)	160	23
2	इंडियन नेशनल कांग्रेस (इ.ने.कां.)	24	1
3	बहुजन समाज पार्टी (बसपा)	3	0
4	नेशनल पीपुल्स पार्टी (ने.पी.पा.)	4	2
5	नेशनल यूनियनिस्ट जमींदारा पार्टी (एनयूजेडपी)	2	2
6	निर्दलीय	7	1
योग		200	29

स्त्रोतः 'सदस्य परिचय (14वीं राजस्थान विधानसभा)', राजस्थान विधानसभा सचिवालय जयपुर।

महिला विधायकों की जिलेवार स्थिति का आंकलन

14वीं विधानसभा में प्रदेश के 21 जिलों की महिलाओं ने 14वीं विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया। 12 जिले (बाँसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, बूंदी, चितौडगढ़, चूरू, जैसलमेर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, प्रतापगढ) ऐसे हैं जिनमें से कोई महिला विधायक चुनकर नहीं आयी। गंगानगर से सर्वाधिक 3 महिलाएँ 14वीं विधानसभा में निर्वाचित होकर आई। गंगानगर जिले से तीन विधानसभा सीटों पर श्रीमती कामिनी जिन्दल, श्रीमती सोना देवी एवं श्रीमती शिमला बावरी विजयी रहीं। अजमेर जिले में दो विधानसभा सीटों पर श्रीमती अनीता भदेल एवं श्रीमती सुशील कुँवर विजयी रहीं।

अलवर जिले से दो विधानसभा सीटों पर दो महिलाएँ श्रीमती शंकुतला रावत एवं श्रीमती गोलमा देवी निर्वाचित हुई तथा विधायक बनीं। भरतपुर जिले से दो महिलाओं श्रीमती कृष्णेन्द्र कौर (दीपा) एवं श्रीमती अनीता सिंह तथा दौसा से श्रीमती अलका सिंह एवं श्रीमती गीता वर्मा, धौलपुर जिले से श्रीमती रानी सिलौटीया एवं श्रीमती शोभारानी कुशवाह, जोधपुर जिले से कमला मेघवाल एवं श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, ने 14वीं विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया। भीलवाड़ा से सुश्री कीर्ति कुमारी, बीकानेर से सुश्री सिद्धि कुमारी, डूंगरपुर से श्रीमती अनिता कटारा, हनुमानगढ़ से श्रीमती द्रौपती, जयपुर से श्रीमती अंजू देवी धानका, जालौर से श्रीमती अमृता मेघवाल, झालावाड से श्रीमती वसुंधरा राजे, झुंझुनू से श्रीमती संतोष अहलावत, करौली से श्रीमती राजकुमारी, कोटा से श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल, नागौर से श्रीमती मंजू बाघमर, पाली से श्रीमती संजना आगरी, राजसमंद से श्रीमती किरण माहेश्वरी एवं सवाईमाधोपुर से श्रीमती दीया कुमारी महिला विधायक बनीं। प्रदेश में 1952 से 2018 तक कुल 33 जिलों में 32 जिलों से महिला विधायक निर्वाचित होकर विधानसभा पहुँची हैं। केवल जैसलमेर ही एक मात्र ऐसा जिला है जहाँ से अभी तक कोई महिला विधायक निर्वाचित होकर नहीं आई। अभी तक जयपुर जिले की सर्वाधिक 26 महिला विधायकों ने सदन में जनता का प्रतिनिधित्व किया है। अजमेर जिला दूसरे स्थान पर है जहाँ से 13 सदस्याएं निर्वाचित होकर विधानसभा पहुँची हैं।

सारणी 2: महिला विधायकों के नाम, निर्वाचन क्षेत्र एवं दल

क्र. सं.	सदस्य का नाम	निर्वाचन क्षेत्र	जिला	निर्वाचित महिला	दल
1	श्रीमती अनीता भदेल	अजमेर	अजमेर	2	भाजपा
2	श्रीमती सुशीला कंवर	मसूदा	अजमेर		भाजपा
3	श्रीमती संकुंतला रावत	बानसूर	अलवर	2	इनेकां
4	श्रीमती गोलमा देवी	राजगढ़–लक्षमणगढ़	अलवर		ने.पी.पा.
5	श्रीमती अनीता सिंह	नगर	भरतपुर	2	भाजपा
6	श्रीमती कृष्णेन्द्र कौर (दीपा)	नदवई	भरतपुर		भाजपा
7	सुश्री सिद्धि कुमारी	बीकानेर पूर्व	बीकानेर	1	भाजपा
8	श्रीमती अलका सिंह	बांदीकुई	दौसा	2	भाजपा
9	श्रीमती गीता वर्मा	सिकराय	दौसा		ने.पी.पा.
10	श्रीमती रानी सिलौटिया	बसेरी	धौलपुर	2	भाजपा
11	श्रीमती शोभारानी खुशवाह	धौलपुर	धौलपुर		भाजपा
12	श्रीमती अनिता कटारा	सागबाडा	डूंगरपुर	1	भाजपा
13	श्रीमती कामिनी जिंदल	गंगानगर	गंगानगर	3	एनयूजेडपी
14	श्रीमती सोना देवी	रायसिंह नगर	गंगानगर		एनयूजेडपी
15	श्रीमती शिमला बावरी	अनूपगढ़	गंगानगर		भाजपा
16	श्रीमती द्रौपती	पीलीबंगा	हनुमानगढ़	1	भाजपा
17	डॉ. मंजू बाघमर	जायल	नागौर	1	भाजपा
18	श्रीमती अमृता मेघवाल	जालौर	जालौर	1	भाजपा
19	श्रीमती वसुंधरा राजे	झालरापाटन	झालावाड़	1	भाजपा
20	श्रीमती कमसा	भोपालगढ़	जोधपुर	2	भाजपा
21	श्रीमती सूर्यकांता व्यास	सुरसागर	जोधपुर		भाजपा
22	श्रीमती राजकुमारी	हिण्डौन	करौली	1	भाजपा
23	श्रीमती चंद्रकान्ता मेघवाल	रामगंजमंड़ी	कोटा	1	भाजपा
24	श्रीमती संजना आगरी	सोजत	पाली	1	भाजपा
25	श्रीमती अंजू देवी धानका	बस्सी	जयपुर	1	निर्दलीय
26	श्रीमती किरण माहेश्वरी	राजसमंद	राजसमंद	1	भाजपा
27	श्रीमती दिया कुमारी	सवाईमाधोपुर	सवाईमाधोपुर	1	भाजपा
28	सुश्री कीर्ति कुमारी	माण्डलगढ़	भीलवाड़ा	1	भाजपा
29	श्रीमती संतोष अहलावत	सूरजगढ़	झुंझुनू	1	भाजपा

स्त्रोतः Journalist Anubha, "Women leaders in Rajasthan Legislature since 1952"

सारणी 3: निर्वाचित महिला विधायकों की पारिवारिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पृष्ठीभूमि

क्र. सं.	सदस्य का नाम	अनुसूचित जनजाति या अनुसूचित जाति	आयु (निर्वाचन के समय)	शौक्षणिक योग्यता	वैवाहिक स्थिति	आवासीय परिवेश	मुख्य व्यवसाय	परिवार की राजनीति से संबद्धता	विधानसभा में आने से पूर्व स्वयं की राजनीति से संबद्धता
1	श्रीमती अंजूदेवी धानका	(अनुसूचित जनजाति)	38	एम.ए.	विधवा	शहरी	वित्तीय सलाहकार	पिताजी का राजनीति से जुडाव	कोई नही
2	श्रीमती अनिता भदेल	(अनुसूचित जाति)	41	एम.ए., एम.एड.	विवाहित	शहरी	अध्यापन कार्य	कोई नही	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
3	श्रीमती अनीता सिंह	सामान्य	42	बी.एससी. एल.एल.बी.	विवाहित	ग्रामीण	कृषि कार्य	चाचाजी का राजनीति से जुडाव	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
4	श्रीमती अमृता मेघवाल	(अनुसूचित जाति)	27	बी.ए.	विवाहित	शहरी	ड्रेस डिजाइनिंग	पति का राजनीति जुडाव	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
5	श्रीमती अलका सिंह	सामान्य	52	एम.ए., एल.एल.एम., पी.एचडी.	विवाहित	शहरी	वकालत एवं अध्यापन	पति पूर्व केबीनेट मंत्री रहे	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
6	श्रीमती कमसा मेघवाल	(अनुसूचित जाति)	45	बी.ए. प्रथम वर्ष	विवाहित	ग्रामीण	समाज सेवा	कोई नही	ग्राम एवं प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
7	श्रीमती कामिनी जिंदल	सामान्य	25	एम.ए., एम.फिल., जे. एल.एन.यू.	विवाहित	शहरी	निजी व्यापार	कोई नही	कोई नही
8	श्रीमती किरण माहेश्वरी	(अनुसूचित जनजाति)	52	बी.कॉम.	विवाहित	शहरी	समाजिक कार्य	कोई नही	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
9	सुश्री कीर्ति कुमारी	सामान्य	46	बी.ए.	अविवाहित	ग्रामीण	कृषि कार्य	बिजोलिया राज परिवार से	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
10	श्रीमती कृष्णेन्द्र कौर (दीपा)	सामान्य	59	सीनियर	विवाहित	शहरी	कृषि कार्य	भरतपुर रियासत के राज परिवार से जुडाव	राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीति से जुडाव
11	श्रीमती गीता वर्मा	(अनुसूचित जाति)	40	बी.ए.	विवाहित	शहरी	समाज सेवा	जानकारी उपलब्ध नहीं	ग्राम स्तर की राजनीति से जुडाव
12	श्रीमती गोलमा देवी	(अनुसूचित जनजाति)	64	साक्षर	विवाहित	गामीण	कृषि कार्य	पति (डॉ. किरोडी लाल मीणा) राष्ट्रीय स्तर की राजनीति से जुडाव	कोई नही
13	श्रीमती शकुंतला रावत	सामान्य	47	एम.ए.	विवाहित	शहरी	सामाजिक कार्य	जानकारी उपलब्ध नहीं	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
14	श्रीमती शिमला बावरी	(अनुसूचित जाति)	32	बी.ए.	विवाहित	ग्रामीण	कृषि कार्य	कोई नही	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
15	श्रीमती संजना आगरी	(अनुसूचित जाति)	37	बी.ए.,	विवाहित	शहरी	कम्प्यूटर डिजाइनिंग	पति का राजनीति से जुडाव	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
16	श्रीमती संतोष अहलावत	सामान्य	50	एम.ए.	विवाहित	ग्रामीण	कृषि कार्य	जानकारी उपलब्ध नहीं	ग्राम एवं प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
17	सुश्री सिद्धि कुमारी	सामान्य	40	एम.ए.	अविवाहित	शहरी	डायरेक्टर, संग्राहलय बीकानेर	बीकानेर राज घराने से जुडाव	कोई नही
18	श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास	सामान्य	75	प्राथमिक	विधवा	शहरी	समाज सेवा	पति का राजनीति से जुडाव	राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीति से जुडाव
19	श्रीमती सोना देवी	(अनुसूचित जाति)	26	बी.ए.	विवाहित	शहरी	गृहणी	कोई नही	कोई नही
20	श्रीमती अनीता कटारा	(अनुसूचित जनजाति)	33	एम.ए., बी.एड.	विवाहित	शहरी	कृषि कार्य	ससुर पूर्व केबिनेट मंत्री रहे	कोई नही
21	डॉ. मंजू बाघमर	(अनुसूचित जाति)	42	एम.कॉम. पी.एचडी., एल.एल.बी (गोल्ड मेडल) एल.एल.एम. एवं पी.जी. डिप्लोमा इन ह्यूमन राइट्स	विवाहित	शहरी	अध्यापन कार्य	कोई नही	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
22	श्रीमती राजकुमारी	(अनुसूचित जाति)	41	सीनियर सैकण्डरी	विधवा	ग्रामीण	कृषि कार्य	दादाजी का ग्राम स्तर की राजनीति से जुडाव	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
23	श्रीमती रानी सिलौटिया	(अनुसूचित जाति)	43	बी.एस.सी., एम.ए. बी. एड.	विधवा	शहरी	गृहणी	जानकारी उपलब्ध नहीं	कोई नही
24	श्रीमती वसुंधरा राजे	सामान्य	60	बी.ए.	तलाकशुदा	शहरी	राजनीतिज्ञ	सिंधिया राज परिवार एवं धौलपुर राज परिवार जुडाव व माता का राजनीति से जुडाव	राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीति से जुडाव
25	श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल	(अनुसूचित जाति)	39	एम.ए. समाजशास्त्र व हिंदी	विवाहित	शहरी	निजी व्यवसाय	पिताजी एवं ससुर का राजनीति से जुडाव	जिला स्तर की राजनीति से जुडाव
26	श्रीमती दिया	(अनुसूचित जाति)	42	डेकोरेटिव ऑफ आर्ट्स	विवाहित	शहरी	निजी व्यवसाय	जयपुर राज परिवार से जुडाव	कोई नही
27	श्रीमती द्रौपती	सामान्य	33	बी.ए., एल.एल.बी.	विवाहित	ग्रामीण	कृषि कार्य	कोई नही	ग्राम एवं प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
28	श्रीमती सुशील कँवर	सामान्य	39	सैकण्डरी	विवाहित	शहरी	होटल एवं मार्बल व्यवसाय	पति का राजनीति से जुडाव	प्रदेश स्तर की राजनीति से जुडाव
29	श्रीमती शोभा रानी कुशवाह	सामान्य	39	स्नातकोत्तर	विवाहित	शहरी	समाज सेवा	पति का राजनीति से जुडाव	पूर्व में राजनीति से कोई संबंध नहीं

स्त्रोतः 'सदस्य परिचय (14वीं राजस्थान विधानसभा)', राजस्थान विधानसभा सचिवालय जयपुर।

महिला विधायकों की पारिवारिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण

किसी भी व्यक्ति का दृष्टिकोण, व्यवहार एवं उद्देश्य उसके चरित्र एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य द्वारा ही निर्धारित होते हैं। समाज के विभिन्न घटक (विद्यालय, कॉलेज, शिक्षा, पारिवारिक संस्कार, रीतियां, आर्थिक स्थिति एवं राजनीतिक लगाव) व्यक्ति के दृष्टिकोण एवं व्यवहार को प्रभावित करते हैं। सैद्धांतिक रूप से राज्य के विधायी प्रतिनिधित्व एवं व्यवहार, स्वयं विधायक और एक तरफ समाज से उत्पन्न होने वाले प्रभाव तथा दूसरी तरफ विधायी एवं राजनीतिक संस्थाओं के प्रभाव, इन सभी के मध्य अंतःक्रिया का उत्पाद होता है। अतः विधायकों के विधायी व्यवहार से संबंधित अध्ययनों के लिए उनकी पारिवारिक, सामाजिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि की जानकारी आवश्यक है तथा यह जानकारी एक विधायक की वैयक्तिक क्षमता को समझने में भी महत्त्व रखती है।

उपर्युक्त आंकड़ों के आधार पर स्पष्ट है कि 14वीं विधानसभा में निर्वाचित होकर आई 29 महिला विधायकों में से 5 महिलाएँ राजपरिवार से संबंध रखती हैं। इनमें श्रीमती वसुंधरा राजे, श्रीमती कृष्णेन्द्र कौर (दीपा), सुश्री सिद्धि कुमारी, श्रीमती दिया कुमारी एवं सुश्री कीर्ति कुमारी हैं। अतः 17.24 प्रतिशत महिला विधायक राज परिवार से है तथा शेष महिला विधायक सामान्य परिवारों से संबंध रखती हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो पांच महिला विधायक ऐसी रहीं जिनको राजनीतिज्ञ के रूप में बने रहने के गुण एवं अभिरुची विरासत में ही प्राप्त हुई है। शेष सभी 25 महिला विधायक सामान्य परिवारों से रहीं।

(क). वर्ग विश्लेषण

यदि महिला सदस्यों का वर्गों के आधार पर प्रतिनिधित्व देखें तो स्पष्ट है कि 14 महिलाएँ सामान्य वर्ग से रहीं। अनुसूचित जाति की 12 एवं अनुसूचित जनजाति की 3 महिलाओं ने सदन में प्रतिनिधित्व किया। अतः स्पष्ट है कि 29 महिला विधायकों में 15 महिला विधायक पिछडे वर्ग से हैं हालांकि इन वर्गों में भी शिक्षा का प्रसार बढ़ा है तथा स्वायतशाषी संस्थाओं में इनके आरक्षण के पश्चात् आगे आने वाले वर्षों में इनकी संख्या में और अधिक वृद्धि होने की आशा है।

(ख). कार्य क्षमता विश्लेषण

कुल महिलाओं में महिलाओं 21 महिलाएँ शहरी परिवेश से एवं 8 महिलाएं ग्रामीण परिवेश से सदन में आई अतः शहरी परिवेश की महिला विधायकों की संख्या अधिक रही। सदन में निर्वाचित महिलाओं में जहाँ केवल दो महिला सदस्यों ने सामान्य गृहणी होने के साथ राजनीति के क्षेत्र में अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया वहीं शेष महिलाओं ने किसी न किसी व्यवसाय को करते हुए भी राजनीति में अपनी पहचान बनाई जो कि इनकी अद्भुत कार्य क्षमता को प्रदर्शित करता है। महिला सदस्यों के स्वयं के पूर्व में राजनीति से रहे सम्बन्धों के संदर्भ में देखें तो 20 महिला सदस्य पूर्व में राजनीति से सम्बन्धित रहीं। चाहे ग्राम स्तर हो, प्रदेश स्तर हो या राज्य स्तर हो, किसी न किसी रूप में ये राजनीति के क्षेत्र में कार्यरत रहीं हैं। शेष 9 महिला सदस्यों ने चौदहवे सदन में निर्वाचन के साथ ही राजनीति में प्रवेश किया। जिनमें से तीन महिला सदस्यों ने 13वीं विधानसभा में निर्वाचन के साथ तथा शेष 6 महिला सदस्यों ने चौदहवी विधानसभा में निर्वाचन के साथ ही अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की।

(ग). आयुवर्ग विश्लेषण

यह स्पष्ट है कि 14वीं विधानसभा में निर्वाचित 29 महिला विधायकों में सबसे अधिक 7,7 महिलाएँ 36 से 40 वर्ष एवं 41 से 45 वर्ष आयु वर्ग की रहीं। अतः चौदह महिला सदस्यों की आयु 36 से 45 वर्ष के मध्य की रही। 25–30 वर्ष, 31–35 वर्ष, 46–50 वर्ष के आयु वर्गो में महिला सदस्यों की संख्या क्रमशः 3,3,3 ही रही। 51–55 वर्ष, 56–60 वर्ष आयु वर्ग में दो–दो महिला विधायक रही। 61–65 वर्ष आयु वर्ग की एक महिला रही। जबकि 71–75 वर्ष आयु वर्ग में आने वाली एक महिला सदस्य श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास हैं जो कि सदन में सबसे अधिक उम्र की एक मात्र महिला रहीं। जबकि 14वीं विधानसभा में सबसे कम उम्र की महिला विधायक श्रीमती कामिनी जिंदल रहीं, जिनकी आयु सदन में प्रवेश के समय मात्र 25 वर्ष थी। इससे पूर्व सबसे कम उम्र में विधानसभा की सदस्य बनने का सौभाग्य प्राप्त करने वाली महिला श्रीमती यशोदा देवी थी, जो कि 26 वर्ष की उम्र में प्रथम विधानसभा में निर्वाचित हुई। यह एक उल्लेखनीय तथ्य है क्योंकि उस समय महिला अधिकार कम थे और उनकी जागरुकता भी न्यूनतम थी। ऐसी स्थिति में 26 वर्ष की आयु में विधानसभा की सदस्य चुना जाना प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

(घ). विवाह विश्लेषण

महिला विधायकों की पृष्ठभूमि का विश्लेषण करते समय यह आंकडे सामने आये हैं कि 29 महिला विधायकों में से 22 महिलाएँ विवाहित है, चार महिलाएँ विधवा हैं, दो महिलाएँ अविवाहित हैं एवं 1 महिला सदस्य तलाकशुदा है। यदि प्रतिशत के रूप में देखें तो, सर्वाधिक 76 प्रतिशत महिलाएँ विवाहित हैं, 14 प्रतिशत महिलाएँ विधवा हैं, 7 प्रतिशत महिलाएँ अविवाहित हैं, 3 प्रतिशत महिलाएँ तलाकशुदा हैं। अतः स्पष्ट है कि सदन में गृहस्थ जीवन की सभी जिम्मेदारियों को उठाते हुए राजनीतिक उत्तरदायित्वों को पूरा करने वाली महिलाओं की संख्या अधिक रही।

(ड़). शैक्षणिक विश्लेषण

14वीं विधानसभा में निर्वाचित हुई 29 महिला विधायकों में से अधिकांश उच्च शिक्षित हैं। इसमें एक महिला साक्षर स्तर, एक प्राथमिक स्तर एवं एक सैकण्डरी स्तर तक शिक्षित हैं। दो महिलाएँ सीनियर सैकण्डरी एवं एक महिला अधोस्नातक तक शिक्षित हैं। दस महिलाएँ स्नातक एवं नौ महिलाएँ स्नातकोत्तर स्तर तक शिक्षित हैं। शेष महिला सदस्यों में से दो महिला सदस्यों ने पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की है एवं एक महिला सदस्य एम. फिल की डिग्री प्राप्त हैं। एक महिला अन्य डिप्लोमा किए हुए भी हैं।

(च). व्यावसायिक विश्लेषण

1. उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि दो महिला विधायक श्रीमती सोना देवी एवं श्रीमती रानी सलोटिया ग्रहणी हैं, अतः इन्होंने सामान्य महिला के रूप में अपने पारिवारिक उतरदायित्वों को पूरा करते हुए राजनीति के क्षेत्र में भी अपना स्थान बनाया।
2. तीन महिला प्रतिनिधी श्रीमती अनीता भदेल, डॉ. अलका सिंह एवं डॉ. मंजू बाघमर अध्ययन के क्षेत्र में कार्यरत रहीं हैं, इनमें डॉ. अलका सिंह अध्यापन के साथ–साथ वकालात व्यवसाय से भी संबंधित रही हैं जो कि इनकी उच्च स्तर की योग्यता का प्रमाण है।
3. नौ महिला सदस्याओं श्रीमती अनीता सिंह, सुश्री कीर्ति कुमारी, श्रीमती कृष्णेन्द्र कौर (दीपा), श्रीमती गोलमादेवी, श्रीमती शिमला बावरी, श्रीमती संतोष अहलावत, श्रीमती अनिता कटारा, श्रीमती राजकुमारी एवं श्रीमती द्रोपती का मुख्य व्यवसाय कृषि ही रहा है।
4. चार महिला प्रतिनिधियों श्रीमती कामिनी जिंदल, श्रीमती सुशील कंवर, श्रीमती दिया कुमारी एवं श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल का स्वयं का व्यवसाय है।
5. छः महिला प्रतिनिधि श्रीमती कमसा मेघवाल, श्रीमती गीता वर्मा, श्रीमती शंकुतला रावत, श्रीमती किरण महेश्वरी, श्रीमती

सूर्यकान्ता व्यास एवं श्रीमती शोभारानी कुशवाह, ये छः महिला प्रतिनिधि समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत हैं तथा श्री वसंधुरा राजे भारत की प्रमुख राजनीतिज्ञों में से एक हैं।

6. शेष चार महिला विधायकों में श्रीमती अमृता मेघवाल ड्रेस डिजाइनिंग एवं श्रीमती संजना आगरी कम्प्युटर डिजाईनिंग जैसे तकनीकी क्षेत्रों से संबंधित है तथा श्रीमती अंजू देवी धानका वितीय सलाहकार एवं सुश्री सिद्धी कुमारी बीकानेर संग्राहलय के निर्देशक जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट होता है की दो महिला विधायको को छोडकर शेष सभी महिलाएँ किसी न किसी व्यवसाय में संलग्न हैं अतः यहाँ कहा जा सकता है कि अधिकांश महिला विधायकों की आर्थिक पृष्ठभूमि सुदृढ रही है। एक विशेष तथ्य यह भी सामने आता है कि आर्थिक रूप से आत्म निर्भर रहकर राजनीति में सक्रिय रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक रही है।

(छ). राजनीतिक विश्लेषण

यहाँ महिला प्रतिनिधियों के परिवार की राजनीतिक सम्बद्धता एवं स्वयं की राजनीति से सम्बद्धता के आधार पर राजनीतिक पृष्ठभूमि के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि अधिकांश महिला विधायकों की पृष्ठभूमि चाहे वह पारिवारिक हो या स्वयं की, कहीं न कहीं राजनीति से जुडी अवश्य रही है।

पाँच महिला प्रतिनिधियों को राजनीति में राज परिवार से होने का लाभ मिला और राजनीति में अभिरुचि इन्हें विरासत में ही प्राप्त हुई। इनमें श्रीमती वसुंधरा राजे ग्वालियर के सिंधिया राज परिवार की बेटी तथा धौलपुर राज परिवार की बहू हैं। सुश्री कीर्ति कुमारी बिजौलिया राजपरिवार से संबंधित एवं श्रीमती कृष्णनेन्द्र कौर दीपा भरतपुर रियासत के राज परिवार से संबंधित हैं। इन तीनों महिला विधायकों ने पैतृक पृष्ठभूमि की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए पूर्ण रूप से राजनीति में सहभागिता दी है। जयपुर राज घराने की दिया कुमारी एवं बीकानेर राज परिवार की सुश्री सिद्धी कुमारी ने राज परिवार से होते हुए भी विधायक बनने के साथ ही चुनावी राजनीति में प्रवेश किया।

शेष महिला विधायकों में 12 महिला सदस्य ऐसी हैं जिनके परिवारों में कहीं न कहीं राजनीति से संबंद्धता देखी गई, अतः परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि का लाभ लेते हुए ये राजनीति में सक्रिय रहे। इन 12 महिला सदस्यों में से 4 महिला सदस्य श्रीमती अंजूदेवी धानका, श्रीमती गोलमा देवी, श्रीमती अनिता कटारा एवं श्रीमती शोभा रानी कुशवाह ऐसी भी रहीं हैं, जिनके परिवार तो राजनीति से संबंधित रहे परंतु इनकी स्वयं की राजनीति से पूर्व में कोई सम्बद्धता नहीं रही। अतः विधायक बनने के साथ ही इन्होंने नव सदस्य के रूप में राजनीति में प्रवेश किया।

छः महिला सदस्य ऐसी रहीं जिनके परिवार का राजनीति से कोई सम्बन्ध नहीं था अतः इन्हें पारिवारिक पृष्ठभूमि का कोई लाभ नहीं मिला बल्कि स्वयं अपनी अभिरुची एवं योग्यता के आधार पर इन्होने राजनीति के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बनाया और विभिन्न पदों का उत्तरदायित्व संभाला। दो महिला सदस्य श्रीमती कामिनी जिंदल एवं श्रीमती सोना देवी, नवयुवाओं के राजनीति के क्षेत्र में प्रवेश के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनीं, क्योंकि न तो इनका परिवार राजनीति से जुड़ा रहा और न ही ये स्वयं पूर्व में किसी राजनीतिक पद पर रहीं। विधायक के रूप में इन्होंने पहली बार राजनीति में प्रवेश कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया।

चार महिला विधायकों के संदर्भ में पूर्ण तथ्य उपलब्ध नहीं हो पाये परन्तु 25 महिला विधायको के संदर्भ में प्राप्त जानकारियों के आधार पर कहा जा सकता हैं कि महिला विधायको को पारिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि का लाभ मिला। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं ने सदन में प्रतिनिधित्व किया।

निष्कर्ष

इस अध्ययन एवं विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है। कि ययपि विभिन्न संवैधानिक एवं गैर संवैधानिक प्रयासों के बाबजूद भी प्रदेश में महिलाएँ विधानसभा में संख्यात्मक रूप से पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं कर पाई परंतु प्रदेश में महिलाओं का यह प्रतिनिधित्व लोकसभा में महिला प्रतिनिधित्व की तुलना में कम भी नहीं है। संख्यात्मक रूप से कम होते हुए भी अधिकाधिक उँचे स्तर तक महिलाओं ने सदन में अपनी पहचान बनाई है एवं अपनी अद्भुत कार्यक्षमता एवं योग्यता का परिचय दिया है। वर्तमान में प्रदेश की राजनीति में महिलाओं की भूमिका न केवल सराहनीय बल्कि सम्पूर्ण समाज को गौरवान्वित करने वाली रही है। हालाँकि रुढिवादी राजस्थानी समाज में पर्दाप्रथा से लेकर वर्तमान राजनीति तक महिलाओं की डगर विभिन्न पारिवारिक एवं सामाजिक बाधाओं से भरी रही है। राजनीति के इस पुरुष प्रधान क्षेत्र में महिलाओं को एश्वर्य का साधन मात्र ही माना जाता था परंतु महिलाओं के साहस एवं लगनशीलता ने समाज की इस भांति को परिवर्तित कर दिया और इस अत्यधिक चुनौतीपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान स्थापित की। प्रथम विधानसभा की दो महिला विधायकों से लेकर 14वीं विधानसभा की 29 विधायकों तक, महिलाओं की संख्या में हुई उत्तरोतर वृद्धि राजनीति के क्षेत्र में उनकी जागृति एवं सक्रियता का प्रतीक है। आज वे पंच के पद से लेकर मुख्यमंत्री जैसे महत्त्वपूर्ण पद के उत्तरदायित्व को भलिभांति निभा रही है। आगे आने वाले वर्षों में यह आशा की जा सकती है कि महिला आरक्षण विधेयक लागू होने एवं महिला शिक्षा एवं जागरूकता में और अधिक वृद्धि होने के बाद राजनीति में महिलाओं की संख्या एवं सक्रियता में भी आवश्यक रूप से वृद्धि हुई है और होगी। उदाहरर्णाथ प्रदेश में स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के पश्चात एक बडी संख्या में महिलाएँ पंच, सरपंच, प्रधान, मेयर, उपमेयर, एवं अध्यक्ष जैसे पदों का कार्य बडी कुशलता से कर रहीं है यथा विधानसभा में भी इनकी संख्या एवं स्थान और अधिक सुदृढ़ होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. गाबा, ओ.पी. (2005), 'समकालीन राजनीतिक सिद्धांत,' मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
2. कश्यप, सुभाष एवं गुप्त, विश्व प्रकाश (2006), 'भारतीय राजनीति सिद्धान्त समस्याएँ और सुधार,' राधा पब्लिकेशस, नई दिल्ली।
3. भार्गव, प्रभा (2006), 'चुनाव घोषणा–पत्र : सिद्धान्त एवं स्थिति', मानव संसाधन विकास मंत्रालय, जयपुर।
4. 'प्रस्तावना', वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन 2015–16, निर्वाचन विभाग, जयपुर।
5. शर्मा मेनका, (अक्टूबर 2016), 'राजस्थान की राजनीति में महिलायें', 'विधान बोधनी' त्रैमासिक पत्रिका, राजस्थान विधान सभा सचिवालय, जयपुर।
6. जोशी, आर.पी. (2000), 'भारतीय राजनीतिक व्यवस्था,' रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
7. आडवाणी, लालकृष्ण (2002), 'नजरबन्द लोकतंत्र', प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
8. वर्मा, एस.पी. (2005), 'मार्डन पॉलिटिकल थ्योरी,' विकास पब्लिशिंग, दिल्ली।
9. खंडेला, मानचन्द (2007), 'वर्तमान भारतीय राजनीति', हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली।

10. सारस्वत, स्वप्निल एवं सिंह, निशांत, (2007), 'समाज, राजनीति और महिलाएँ दशा और दिशा', राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
11. डी.एस.बघेल एवं टी.पी. कर्चुली (2010), 'राजनैतिक समाजशास्त्र', विवेक प्रकाशन, दिल्ली।
12. राठौड, कमलसिंह, (2011), 'महिलाओं में राजनीति जागरूकता', मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर।
13. गोयल, प्रीति प्रभा, (2014), 'भारतीय नारी विकास की ओर', राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
14. रॉय, अनुपम, (2017), 'नागरिकता का स्त्री पक्ष', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. गुहा, रामचंद्र (2022), 'गांधी के बाद का भारतः दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का इतिहास', 10वीं वर्षगांठ संस्करण, अद्यतन और विस्तारित, पिकाडोर इंडिया, नई दिल्ली।